Testwale Current Affairs PDF

Current Affairs search results for tag: national-news

1. [illegible] (July 9, 2022)

[illegible] 9 [illegible] 31 [illegible]

- **[illegible]**
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible] 33 [illegible] 75 [illegible]
- [illegible]
- [illegible] 1 [illegible], 2020 [illegible] I
- [illegible] I
- [illegible] ₹10,000 [illegible] I
- [illegible] ₹20,000 [illegible] ₹50,000 [illegible] I
- [illegible] 2022 [illegible] 2024 [illegible] I
- [illegible] 53.7 [illegible] 36.6 [illegible] 33.2 [illegible] I
- [illegible] 3,592 [illegible] I

2. [illegible] (July 9, 2022)

[illegible] (IMF) [illegible] 2003 [illegible] 2006 [illegible]

- [illegible]
- [illegible] 2003 [illegible] 2006 [illegible]
- [illegible], 2018 [illegible] 2021 [illegible]
- [illegible]
- [illegible] (IMF) [illegible]
- [illegible] (IMF), [illegible] (UN) [illegible] 1944 [illegible]
- [illegible] 189 [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

3. मानगढ़ पहाड़ी को राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया जाएगा (July 9, 2022)

राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (NMA) की एक रिपोर्ट में राजस्थान में मानगढ़ पहाड़ी की चोटी को 1500 भील आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में राष्ट्रीय स्मारक के रूप में नामित करने की घोषणा की गई है।

- **मानगढ़ पहाड़ी**
- गुजरात-राजस्थान सीमा पर स्थित पहाड़ी, एक आदिवासी विद्रोह का स्थल है जहाँ वर्ष 1913 में 1500 से अधिक भील आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी मारे गए थे।
- इस जगह को आदिवासी जलियांवाला के नाम से भी जाना जाता है और यहाँ स्मारक बनाने की मांग उठती रही है।
- 17 नवंबर, 1913 को ब्रिटिश सेना ने विरोध में सभा कर रहे आदिवासियों पर गोलियाँ चला दीं, जिसका नेतृत्व गोविंद गुरु समुदाय के एक नेता ने किया था, जिसमें 1,500 से अधिक लोग मारे गए थे।
- **भील जनजाति**
- भीलों को आमतौर पर राजस्थान के धनुषधारी के रूप में जाना जाता है। यह भारत का सबसे बड़ा आदिवासी समुदाय है।
- यह दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी जनजाति है।
- आमतौर पर इन्हें दो रूपों में वर्गीकृत किया जाता है:
- मध्य या शुद्ध भील
- पूर्वी या राजपूत भील
- मध्य भील भारत में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान के पर्वतीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं तथा त्रिपुरा के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में भी पाए जाते हैं।
- उन्हें आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और त्रिपुरा में अनुसूचित जनजाति माना जाता है।
- भील आर्य-पूर्व जाति के सदस्य हैं।
- भील नाम का उल्लेख महाभारत और रामायण के प्राचीन महाकाव्यों में भी मिलता है।
- **राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण(NMA) के बारे में**

- [illegible]
- [illegible] (2010 [illegible])
- NMA [illegible]
- [illegible], 1958 [illegible]

4. [illegible] (July 9, 2022)

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible] 2025 [illegible]
- [illegible] 1985 [illegible]
- [illegible]?
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- **[illegible]**
- [illegible]
- [illegible]
- **[illegible]** **[illegible]** **[illegible]**
- [illegible]
- [illegible] (2017-2025)
- [illegible] ([illegible]- [illegible])
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible] 2025 [illegible]
- [illegible] 3.3 [illegible] 2030 [illegible]
- [illegible] 24 [illegible]
- **[illegible]** **[illegible]** **[illegible]**
- [illegible] 15 [illegible]
- [illegible] 8 [illegible]- [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible]
- [illegible] 10 [illegible]
- [illegible] 30 [illegible]

5. [illegible] 9 [illegible] (July 9, 2022)

[illegible] 9 [illegible] 8 [illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible] 9 [illegible]
- [illegible]
- **2021** [illegible]
- [illegible] 2021 [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible] 2014, [illegible] 2015 [illegible] 2017 [illegible]
- [illegible]
- [illegible] 2014 [illegible]
- [illegible]
- 2001 [illegible] 2005 [illegible] 2012 [illegible]
- [illegible] 2007 [illegible]
- [illegible] 2014 [illegible]
- [illegible] **(2+2)** [illegible]

- [illegible] 2019 [illegible], [illegible] 2+2 [illegible] **[illegible]** [illegible]
- 2015 [illegible] **[illegible]** [illegible] **[illegible]** [illegible]
- [illegible]
- [illegible] **[illegible]** **2007** [illegible] **[illegible]** [illegible]
- [illegible] **[illegible]–[illegible]** [illegible]
- 2015 [illegible] **[illegible]** [illegible], [illegible] **[illegible]** [illegible]
- [illegible] **[illegible]** [illegible], [illegible] **[illegible]** [illegible] **[illegible]** [illegible]
- **[illegible]** **8** **[illegible]** **2022** [illegible] **[illegible]** [illegible]

6. [illegible] (July 9, 2022)

[illegible] (**[illegible]**) [illegible] 9 [illegible]

- [illegible] **[illegible]** [illegible]
- **[illegible]** **[illegible]** **[illegible]**

1. **[illegible]**

[illegible], 1917 [illegible]

2. **[illegible]**, **[illegible]**, **[illegible]**

[illegible]

यह स्कूल सतारा जिला परिषद के अधीन है और वर्तमान में स्कूल की हालत ख़राब है।

स्कूल के रजिस्टर में अभी भी मराठी में एक छात्र भीम राव के हस्ताक्षर दिखाई देते हैं।

- **राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (एनएमए)**
- स्थापित - 2010 में
- मंत्रालय - केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय
- प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल और अवशेष (संशोधन और मान्यता) अधिनियम, 2010 के तहत स्थापित
- रचना - एक अध्यक्ष और अधिकतम 5 पूर्णकालिक और 5 अंशकालिक सदस्य और एक सदस्य सचिव
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक इसके पदेन सदस्य हैं।
- मुख्यालय - नई दिल्ली

7. पूर्व नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत नए जी -20 शेरपा बनाए गए (July 8, 2022)

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत को G20 संगठन के लिए भारत ने अपना शेरपा नियुक्त किया गया है।

- **महत्वपूर्ण तथ्य**
- अभी तक वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल जी-20 के लिए भारत के शेरपा थे ।
- पूर्णकालिक जी -20 शेरपा की नियुक्ति का प्रमुख कारण इस साल के आखिर में भारत का जी-20 की अध्यक्षता करना है।
- शेरपा एक तरह से इस आयोजन को लेकर देश के भीतर सारी एजेंसियों और विदेशी एजेंसियों के बीच समन्वय बनाने का मुख्य काम करता है।
- जी -20 की बैठक हाल के दशकों में भारत में होने वाला सबसे बड़ा आयोजन है जिसमें दुनिया के सबसे सम्पन्न 20 देशों के राष्ट्र प्रमुखों के साथ उनके विदेश मंत्रियों ,वित्त मंत्रियों , दूसरे अधिकारियों की बैठक अलग अलग समय पर आयोजित की जाएगी ।
- वर्ष 2022 के लिए जी -20 की बैठक नवंबर 2022 में बाली (इंडोनेशिया) में होने वाली है ।
- भारत को संगठन की अध्यक्षता 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक के लिए सौंपी जाएगी ।
- **शेरपा कौन होता है?**

- [illegible] -20 [illegible] -8 [illegible] |
- [illegible] |
- [illegible] |
- [illegible] |
- [illegible] |
- [illegible] |

8. [illegible] 63 [illegible] (July 8, 2022)

[illegible] (13 2A 47 15) [illegible] 63 [illegible]

- **[illegible]**
- [illegible]
- [illegible] 1959 [illegible] 2016 [illegible]
- [illegible]
- **[illegible]**
- [illegible] 1960 [illegible]
- [illegible]
- [illegible] - [illegible] (06 38 4D 1F 4D 30 3F 2F 3E)

- ओपेक के कुल 14 देश (ईरान, इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, अल्जीरिया, लीबिया, नाइजीरिया, गैबोन, इक्वेटोरियल गिनी, कांगो गणराज्य, अंगोला, इक्वाडोर और वेनेजुएला) सदस्य हैं।

- **ओपेक प्लस**

- यह ओपेक सदस्यों और विश्व के 10 प्रमुख गैर-ओपेक तेल निर्यातक देशों का गठबंधन हैं I

- अज़रबैजान, बहरीन, ब्रुनेई, कज़ाखस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, ओमान, रूस, दक्षिण सूडान और सूडान।

9. भारत अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पर यूनेस्को पैनल के लिए चुना गया (July 8, 2022)

भारत को 2022-2026 की अवधि के लिए 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण मानकों (आईसीएच) के लिए यूनेस्को के 2003 समझौते की अंतर सरकारी समिति' में चुना गया है।

- **महत्वपूर्ण तथ्य**

- भारत इससे पहले आईसीएच समिति का सदस्य 2006 से 2010 तक और 2014 से 2018 तक दो बार रह चुका है।

- भारत यूनेस्को की दो प्रतिष्ठित समितियों में शामिल है। इनमें अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (2022-2026) और विश्व विरासत (2021-2025) समितियां हैं।

- यह भारत के लिए 'वसुधैव कुटुंबकम' के मूल्यों को पुन:स्थापित करने का एक और अवसर होगा।''

- केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अनुसार एशिया-प्रशांत समूह में चार सीट रिक्त थीं और छह देशों-भारत, बांग्लादेश, वियतनाम, कंबोडिया, मलेशिया एवं थाईलैंड ने अपनी उम्मीदवारी पेश की थी।

- बयान के मुताबिक भारत को 155 देशों में से 110 के वोट मिले।

- 2003 के समझौते की अंतरसरकारी समिति में 24 सदस्य हैं।

- **यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त भारत की 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत**

- (1) वैदिक जप की परंपरा (3) रामलीला, रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन (3) कुटियाट्टम, संस्कृत थिएटर (4) राममन, गढ़वाल हिमालय के धार्मिक त्योहार और धार्मिक अनुष्ठान, भारत (5) मुदियेट्टू, अनुष्ठान थियेटर और केरल का नृत्य नाटक (6) कालबेलिया लोक गीत और राजस्थान के

नृत्य (7) छऊ नृत्य (8) लद्दाख का बौद्ध जप: हिमालय के लद्दाख क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर, भारत में पवित्र बौद्ध ग्रंथों का पाठ (9) मणिपुर का संकीर्तन, पारंपरिक गायन, नगाडे और नृत्य (10) पंजाब के ठठेरों द्वारा बनाए जाने वाले पीतल और तांबे के बर्तन (11) योग (12) नवरोज़, (13) कुंभ मेला (14) दुर्गा पूजा, कोलकाताI

- यूनेस्को की स्थापना वर्ष 1945 में स्थायी शांति बनाए रखने के रूप में मानव जाति की बौद्धिक और नैतिक "एकजुटता" को विकसित करने के लिये की गई थी।
- यूनेस्को सांस्कृतिक और प्राकृतिक महत्त्व के स्थलों को आधिकारिक तौर पर विश्व धरोहर की मान्यता प्रदान करती है।
- भारत में यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त कुल 40 मूर्त विरासत धरोहर स्थल (31 सांस्कृतिक, 8 प्राकृतिक और 1 मिश्रित) हैं और 14 अमूर्त सांस्कृतिक विरासतें हैं।
- **अमूर्त संस्कृति**
- अमूर्त संस्कृति किसी समुदाय, राष्ट्र आदि की वह निधि है जो सदियों से उस समुदाय या राष्ट्र के अवचेतन को अभिभूत करते हुए निरंतर समृद्ध होती रहती है।
- अमूर्त सांस्कृतिक समय के साथ अपनी समकालीन पीढ़ियों की विशेषताओं को अपने में आत्मसात करते हुए मौजूदा पीढ़ी के लिये विरासत के रूप में उपलब्ध होती है।

10. हरियाली महोत्सव - 2022 (July 8, 2022)

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 8 जुलाई, 2022 को तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में "आजादी का अमृत महोत्सव" की भावना से "हरियाली महोत्सव 2022 " का आयोजन किया गया।

- **महत्त्वपूर्ण तथ्य**
- इसका आयोजन वर्तमान पीढ़ियों के जीवन को बनाए रखने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के जीवन को सुरक्षित रखने में पेड़ों के महत्व पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था।
- इस महोत्सव को वन संरक्षण एवं वृक्षारोपण के प्रति जनता में उत्साह पैदा करने के लिए एक प्रभावी उपकरण के तौर पर मनाया गया।
- **हरियाली महोत्सव**
- हरियाली महोत्सव वनों के संरक्षण और वृक्षारोपण के लिए जनमानस में उत्साह उत्पन्न करने का एक प्रभावी साधन है।
- हरियाली महोत्सव 2020 का आयोजन पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा दिल्ली में राज्य सरकार, पुलिस और स्कूलों के

[illegible]

- [illegible] 75 [illegible] 75 [illegible] / [illegible] 75 [illegible] 75 [illegible] 75 [illegible]

- [illegible]

- **2022** [illegible] / [illegible]

[illegible]	[illegible]
40 [illegible]	[illegible]
[illegible] **2022**	[illegible]
35 [illegible]	[illegible] ([illegible] - [illegible])
[illegible] **2022**	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible] **2022**	[illegible]
[illegible] **2022**	[illegible]
[illegible] **2022**	[illegible] ([illegible])
[illegible] **2022**	[illegible]
18 [illegible]	[illegible]